दिल में बाबा का प्यार समाया हुआ है इसलिए सहज मदद मिलती रहती है

आज विशेष डबल विदेशी भाई-बहनों की याद-प्यार लेकर वतन में पहुँची तो क्या देखा, बापदादा बहुत स्नेही रूप से खड़े हैं, हमारे जाते ही बहुत मीठा मुस्कराते हुए मिलन मनाते पूछा – बच्ची, आज क्या समाचार लाई हो? मैं बोली, आज हमारी मीठी जानकी दादी ने सर्व की याद और लण्डन के नये बनने वाले वा मिलने वाले मकानों का बहुत अच्छा समाचार दिया है। बापदादा सुनते बहुत मीठा-मीठा मुस्कराये और बोला फारेन वाले बच्चे भी कम नहीं हैं। सेवा में सदा हाई जम्प लगाते रहते हैं। उमंग-उत्साह अच्छा है कि बाबा का सन्देश चारों ओर अवश्य देना है क्योंकि एक विशेषता बच्चों की बहुत अच्छी है - चाहे कितनी भी बीच-बीच में हलचल में आवें लेकिन दिल में बाप से प्यार बहुत पक्का है। इस प्यार की विशेषता बाप देखते हैं कि सबके मुख से हर समय हर बात में, हर कार्य में, हर वस्तु में नेचुरल बाबा-बाबा शब्द निकलता है। मेरे-पन का भाव बोल में न होने कारण बोल का प्रभाव दिल की भावना पर सहज पड़ता रहता है। यह सहज मदद मिल जाती है।

उसके बाद बाबा ने सर्व डबल फारेनर्स बच्चों को खास मुबारक दी कि

बच्चे बड़े-बड़े प्रोजेक्ट बहुत उमंग से अच्छे सफलतापूर्वक कर रहे हैं। जैसे काल आफ टाइम, कल्चर आफ पीस, लिविंग वैल्यूज़ आदि-आदि और रिज़ल्ट में अच्छे-अच्छे वी. आई. पीज भी आगे आ रहे हैं। बच्चों की अथक सेवा में चारों ओर चक्रवर्ती बन चक्र लगाने की अथक सेवा देख बापदादा खुश होते हैं और दिल से विशेष दुआयें देते हैं कि वाह मेरे बच्चे वाह!

उसके बाद बाबा को मकानों की खुशखबरी सुनाई कि ग्लोबल हाउस के साथ एडीशन ग्लोबल हाउस का अब फाउन्डेशन पड़ना है। गवर्मेन्ट ने बहुत दिनों के बाद अब छुट्टी दी है। बाबा सुनकर बहुत मीठा मुस्कराया और ऐसे लगा कि जैसे बाबा के सामने दादी जानकी और कार्य करने वाले साथी सब इमर्ज हों। बाबा कह रहे थे बच्चों की विजय तो ड्रामा में नूंधी हुई है ही। आप बच्चों की शान्तिमय रूहानी एक्टिविटी, स्वच्छता और डिसीप्लेन की विशेषता का प्रभाव अब चारों ओर फैल रहा है, इसलिए दिनप्रतिदिन सब सहज होता जायेगा। बच्चों ने बहुत उमंग, रुचि से सेवा के उत्साह से उद्घाटन रखा है। बापदादा कहते – बहुत अच्छा, खूब मनाओ, नाचो-गाओ, सेवा की धूम मचाओ, बापदादा बच्चों की खुशी में खुश है। दादी को भी बुलाया है तो सहज निकल सकती तो जा सकती है। बच्चों को मुहब्बत से की हुई सेवा का बल और फल तो मिलना ही है। सबमें सहयोग और स्नेह की लहर तो अच्छी है और ही खुशी की, बाप के प्यार की लहर छा जायेगी। फिर बाबा को स्काटलैण्ड में मकान मिलने का समाचार सुनाया। बाबा बोले यहाँ वहाँ थोड़ी इन्क्वायरी कर लेना ठीक है और बाप चाहते हैं कि जो नजदीक सेवा स्थान हैं उन्हों को गोल्डन चांस मिला है, तो मिलकर हिम्मत रख जिम्मेवारी उठायेंगे तो सर्व ब्राह्मणों की, बापदादा की मदद तो मिलती ही है। उसके बाद बाबा ने विशेष ४ ही खण्डों के निमित्त बने हुए बच्चों को बहुत-बहुत प्यार से याद दी और बहुत प्यार दिया। हमारी मीठी बहिनें मोहनी बहन, जयन्ती बहन, निर्मला बहन, वेदान्ती बहन... साथ में फिर डबल विदेश की सेवा निमित्त निकले हुए डबल फारेन की शुरू की बहनों को जैसे वाडी बहन, गायत्री

बहन, कला बहन, मंदा बहन, दोनों मोरिन ऐसे बहनों को बहुत-बहुत प्यार किया और याद दी। साथ में चारों ओर के बच्चों को बाबा ने वरदानी दृष्टि से वरदान दिया। अमर रहो, उड़ते रहो। ऐसे ही याद-प्यार देते-लेते साकार वतन में पहुँच गई।